लंगूर नई मानत हावे ओ

लंगुरे नई मानत हावै ओ
मना देबे माता लंगुरे नई मानत हावै ओ
मना देबे माता लंगुरे नई मानत हावै ओ
(2बार)

मास असाड़ सुमन घन बरसे, बन बन बोलत मोरा
साड़ी पहिर के निकले ओ माता, मोहत चंन्द्र चकोरा
मास असाड़ सुमन घन बरसे, बन बन बोलत मोरा
साड़ी पहिर के निकले ओ माता, मोहत चंन्द्र चकोरा
लंगुरे रिसाई गे हे ओ
मना देबे माता लंगुरे रिसाई गे हे ओ
लंगुरे नई मानत हावै ओ
मना देबे माता लंगुरे नई मानत हावै ओ

भादो के अंधियारी ओ माता, काल भयानक राते
बिजली चमके जिया मोरे धड़के, चमक उठे ममराते
भादो के अंधियारी ओ माता, काल भयानक राते
बिजली चमके जिया मोरे धड़के, चमक उठे ममराते
लंगुरे रिसाई गे हे ओ
मना देबे माता लंगुरे रिसाई गे हे ओ
लंगुरे नई मानत हावै ओ
मना देबे माता लंगुरे नई मानत हावै ओ

सात हाथ मा शास्त्र बिराजे, आठवें खप्पर खाई
मुंड के माला पहिरे माता, काल बरन हो जाई
सात हाथ मा शास्त्र बिराजे, आठवें खप्पर खाई
मुंड के माला पहिरे माता, काल बरन हो जाई
लंगुरे रिसाई गे हे ओ
मना देबे माता लंगुरे रिसाई गे हे ओ
लंगुरे नई मानत हावै ओ
मना देबे माता लंगुरे नई मानत हावै ओ
मना देबे माता लंगुरे नई मानत हावै ओ
मना देबे माता लंगुरे नई मानत हावै ओ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36046/title/langure-nai-manat-have

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |